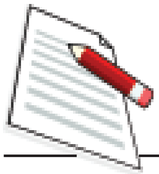

3

अलंकारम्

अलंकार का शाब्दिक अर्थ सजावट-अलंकरण से है जबकि संगीत में अलंकार का आशय स्वर-समूह के ऐसे मनमोहक प्रस्तुतीकरण से है जिनका ध्रुव, मत्य आदि सप्तताल के साथ गायन किया जाता है। इन्हें सप्तताल अलंकरण कहते हैं। संगीत सीखने वाले को बहुत अधिक सजग एवं केंद्रित रहना आवश्यक है ताकि स्वरस्थानों की विशुद्धता और उनके स्वरूप को बनाए रखते हुए अलग-अलग लय एवं गति में इनका गायन कर सके।

अलंकार ऐसे क्रमानुसार और नियमबद्ध स्वरसमूह है जिन्हें प्रत्येक सुल्दी सप्तताल के अनुसार रखा जाता है।

कर्नाटक संगीत में कुल 35 अलंकार हैं। प्रत्येक ताल परिवार अर्थात् एका, रूपक, त्रिपुट, झंप, मत्य, ध्रुव और अठा के लिए पांच-पांच अलंकार हैं।

अलंकार का अभ्यास करने से संगीत सीखने वाले की एक-साथ स्वरस्थान और ताल पर पकड़ मजबूत होती है। विभिन्न गतियों और लय पर गमक के साथ अलंकार गायन करने से राग को समझने में भी सहायता मिलती है।

उद्देश्यः

इस पाठ के पश्चात् शिक्षार्थी निम्नलिखित कार्य कर सकेंगे:-

- विभिन्न गति पद्धति के अनुसार गायन
- सप्तताल का विस्तृत वर्णन
- शुद्ध लय के साथ गायन
- अलग-अलग 'गति' के अनुसार

अलंकारम्

3.1 चतुश्र जाति ध्रुव तालम् (14 अक्षरकालास)

गणना पद्धति — $1_4\ 0\ 1_4\ 1_4$

x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
सऽ	रीऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रीऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	रीऽ	सऽ	रीऽ	गऽ	मऽ

x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
रीऽ	गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रीऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रीऽ	गऽ	मऽ	पऽ

x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
गऽ	मऽ	पऽ	घऽ	पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	ध़ऽ

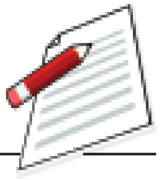

x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
मऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	नीऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
पऽ	धऽ	नीऽ	सऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	सऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
पऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	सऽ	नीऽ	धऽ	नीऽ	सऽ	नीऽ	धऽ	पऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
नीऽ	धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	मऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
धऽ	पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	गऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3	x	1	2	3
मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ

3.2 चतुश्र जाति मत्य तालम् (10 अक्षरकालास)

इसका मध्यम (सैकेण्ड) और द्रुत गति से भी गायन किया जाएगा।

गणना पद्धति — $1_4\ 01_4$

x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
सऽ	रिऽ	गऽ	रिऽ	सऽ	रिऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
रिऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	पऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	धऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
मऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	नीऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	संऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
संऽ	नीऽ	धऽ	नीऽ	संऽ	नीऽ	संऽ	नीऽ	धऽ	पऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
नीऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	मऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
धऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	गऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
पऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ
x	1	2	3	x	v	x	1	2	3
मऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ

3.3 चतुश्र जाति रूपक ताल (6 अक्षर कास)

गणना पद्धति — $0\ 1_4$

x	v	x	1	2	3
सऽ	रिऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ
x	v	x	1	2	3
रिऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	पऽ
x	v	x	1	2	3
गऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	धऽ
x	v	x	1	2	3
मऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	नीऽ
x	v	x	1	2	3
पऽ	धऽ	पऽ	धऽ	नीऽ	संऽ
x	v	x	1	2	3
संऽ	नीऽ	संऽ	नीऽ	धऽ	पऽ
x	v	x	1	2	3
नीऽ	धऽ	नीऽ	धऽ	पऽ	मऽ
x	v	x	1	2	3
धऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	गऽ
x	v	x	1	2	3
पऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ
x	v	x	1	2	3
मऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ

3.4 मिश्र जाति झंप ताल (10 अक्षरकालास)

गणना पद्धति: — 1_7 ‿ 0

x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
सऽ	रिऽ	गऽ	सऽ	रिऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	मऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
रिऽ	गऽ	मऽ	रिऽ	गऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	पऽ	पऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
गऽ	मऽ	पऽ	गऽ	मऽ	गऽ	मऽ	पऽ	धऽ	ऽऽ

x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
मऽ	पऽ	धऽ	मऽ	पऽ	मऽ	पऽ	धऽ	निऽ	निऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
पऽ	धऽ	निऽ	पऽ	धऽ	पऽ	धऽ	निऽ	संऽ	सऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
संऽ	निऽ	धऽ	संऽ	निऽ	संऽ	निऽ	धऽ	पऽ	पऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
निऽ	धऽ	पऽ	पऽ	धऽ	निऽ	धऽ	पऽ	मऽ	मऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
धऽ	पऽ	मऽ	धऽ	पऽ	धऽ	पऽ	मऽ	गऽ	गऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
पऽ	मऽ	गऽ	पऽ	मऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	रिऽ
x	1	2	3	4	5	6	x	x	v
मऽ	गऽ	रिऽ	मऽ	गऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ	सऽ

3.5 तिस्र जाति त्रिपुट ताल (7 अक्षरकालास)

गणना पद्धति — 1_3 0 0

x	1	2	x	v	x	v
सऽ	रिऽ	गऽ	सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ
x	1	2	x	v	x	v
रिऽ	गऽ	मऽ	रिऽ	गऽ	मऽ	पऽ
x	1	2	x	v	x	v
गऽ	मऽ	पऽ	गऽ	मऽ	पऽ	धऽ
x	1	2	x	v	x	v
मऽ	पऽ	धऽ	मऽ	पऽ	धऽ	निऽ
x	1	2	x	v	x	v
पऽ	धऽ	निऽ	पऽ	धऽ	निऽ	संऽ
x	1	2	x	v	x	v
संऽ	निऽ	धऽ	संऽ	निऽ	धऽ	पऽ
x	1	2	x	v	x	v
निऽ	धऽ	पऽ	निऽ	धऽ	पऽ	मऽ
x	1	2	x	v	x	v
धऽ	पऽ	मऽ	धऽ	पऽ	मऽ	गऽ

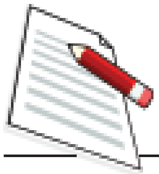

x	1	2	x	v	x	v
पऽ	मऽ	गऽ	पऽ	मऽ	गऽ	रिऽ

x	1	2	x	v	x	v
मऽ	गऽ	रिऽ	मऽ	गऽ	रिऽ	सऽ

3.6 खंड जाति अटा ताल (14 अक्षरकालास)

गणना पद्धति — $1_5\ 1_5\ 0\ 0$

x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
सऽ	रिऽ	रिऽ	गऽ	गऽ	सऽ	ऽऽ	रिऽ	गऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
रिऽ	गऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	रिऽ	ऽऽ	गऽ	मऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
गऽ	मऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	गऽ	ऽऽ	मऽ	पऽ	ऽऽ	धऽ	ऽऽ	धऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
मऽ	पऽ	ऽऽ	धऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	पऽ	धऽ	ऽऽ	निऽ	ऽऽ	निऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
पऽ	धऽ	ऽऽ	निऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	धऽ	मिऽ	ऽऽ	संऽ	ऽऽ	संऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
स̣ऽ	निऽ	ऽऽ	धऽ	निऽ	स̣ऽ	ऽऽ	निऽ	धऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
निऽ	धऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	निऽ	ऽऽ	धऽ	पऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
धऽ	पऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	धऽ	ऽऽ	पऽ	मऽ	ऽऽ	गऽ	ऽऽ	गऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
पऽ	मऽ	ऽऽ	गऽ	ऽऽ	पऽ	ऽऽ	मऽ	गऽ	ऽऽ	रिऽ	ऽऽ	रिऽ	ऽऽ
x	1	2	3	4	x	1	2	3	4	x	v	x	v
मऽ	गऽ	ऽऽ	रिऽ	ऽऽ	मऽ	ऽऽ	गऽ	रिऽ	ऽऽ	सऽ	ऽऽ	सऽ	ऽऽ

3.7 चतुश्र जाति एका तालम (4 अक्षरकास)

गणना पद्धति– 1_4

x	1	2	3
सऽ	रिऽ	गऽ	मऽ

|| x 1 2 3 ||
|| रिऽ गऽ मऽ पऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| गऽ मऽ पऽ धऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| मऽ पऽ धऽ निऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| पऽ धऽ निऽ सऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| स̇ऽ निऽ धऽ पऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| निऽ धऽ पऽ मऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| धऽ पऽ मऽ गऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| पऽ मऽ गऽ रिऽ ||

|| x 1 2 3 ||
|| मऽ गऽ रिऽ सऽ ||

पाठगत प्रश्न

1. चतुश्र जाति ध्रुव ताल की अक्षरकास बताएं।
2. अनुहतम् अंग्स वाली ताल का नाम बताएं।
3. 7 अक्षरकास वाली ताल लिखें।

प्रस्तावित अभ्यास कार्य

1. इन अलंकारों का सभी प्रमुख रागों में अभ्यास करें।
2. उदावा और षड्वा राग में इन अलंकारों का